हिन्दी पाक्षिक

महानगर स्तंभ

RNI NO. RAJHIN/2017/70561

पृष्ठ संख्या.... 2

❒ वर्ष-8 ❒ अंक-13 जयपुर, सोमवार 1 जुलाई, 2024 ❒ एक प्रति 5 रुपये ❒ कुल पृष्ठ-4

श्रीनगर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ सभी ने 10वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया

नई दिल्ली/श्रीनगर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उत्साहवर्धक शब्दों से प्रेरित होकर मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों का निर्भीकता से सामना करते हुए हजारों लोगों ने 21 जून को श्रीनगर में शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर (एसकेआईसीसी) के बारिश से भीगे मैदान पर 10वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। प्रधानमंत्री ने योग और साधना की भूमि जम्मू-कश्मीर में उपस्थित होने के लिए सभी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि आज जम्मू-कश्मीर में योग के माहौल, ऊर्जा और अनुभव को महसूस किया जा सकता है। उन्होंने कहा, इस अवसर पर जम्मू-कश्मीर के 50-60 हजार लोगों का योग में भाग लेना अपने आप में एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। प्रधानमंत्री ने याद दिलाया कि इस वर्ष की थीम, स्वयं और समाज के लिए योग है, जो व्यक्तिगत स्वास्थ्य को बढ़ाने और सामाजिक सामंजस्य को प्रोत्साहित करने में योग के महत्वपूर्ण योगदान पर प्रकाश डालती है। उन्होंने सभी नागरिकों और विश्व भर में योगाभ्यास करने वालों को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री ने कॉमन योग प्रोटोकॉल (सीवाईपी) सत्र में भाग लिया, जिसमें शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक विकास को बढ़ावा देने में योग के महत्व पर जोर दिया गया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की 10वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में प्रधानमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि संयुक्त राष्ट्र में भारत के प्रस्ताव का 177 देशों ने समर्थन किया था। उन्होंने पिछले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रमों में उल्लेखनीय उपलब्धियों का भी जिक्र किया, जैसे 2015 में कर्तव्य पथ (जिसे पहले दिल्ली में राजपथ के नाम से जाना जाता था) पर 35,000 लोगों ने योग का अभ्यास किया था, और पिछले साल संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में प्रधानमंत्री के नेतृत्व में योग कार्यक्रम में 130 से अधिक देशों ने भाग लिया था। इसके अतिरिक्त, उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि आयुष मंत्रालय द्वारा स्थापित योग प्रमाणन बोर्ड द्वारा भारत में 100 से अधिक संस्थानों और 10 प्रमुख विदेशी संस्थानों को मान्यता दी गई है।

प्रधानमंत्री की अगुआई में आयोजित इस समारोह में केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव

सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति भी शामिल हुए। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने 10वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मुख्य कार्यक्रम के लिए जम्मू-कश्मीर, विशेष रूप से श्रीनगर को चुनने के लिए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस आयोजन ने केंद्र शासित प्रदेश की विकास यात्रा को एक नया आयाम दिया है। उपराज्यपाल ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर योग को बढ़ावा देने में प्रधानमंत्री के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि योग वसुधैव कुटुम्बकम की भावना का प्रतीक है। उन्होंने इस वर्ष की थीम के महत्व पर जोर दिया, जिसमें व्यक्तियों द्वारा एक-दूसरे की रक्षा और सहायता करने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने पुमान् पुमांसं परिपातु विश्वतः और व्याशेम देवहितं यदायुरू का उद्धरण दिया। महर्षि पतंजलि की शिक्षाओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने योगाभ्यास में तन और मन की एकता पर जोर दिया। उन्होंने प्रधानमंत्री के एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के दृष्टिकोण के वैश्विक प्रभाव का उल्लेख करते हुए अपने वक्तव्य पूरा किया और पिछले एक दशक में जम्मू-कश्मीर के प्राचीन गौरव को बहाल करने में प्रधानमंत्री के प्रयासों की सराहना की।

देश ने इस वर्ष के समारोह को अपार हर्ष और उत्साह के साथ मनाया। इस वर्ष, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें अंतरिक्ष के लिए योग पहल भी शामिल है, जिसे भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) समर्थन दे रहा है। कॉमन योग प्रोटोकॉल (सीवाईपी) के अभ्यास पर केंद्रित यह कार्यक्रम सभी इसरो केंद्रों और इकाइयों में एक साथ आयोजित किया गया। इसके अतिरिक्त, गगनयान परियोजना में शामिल टीम ने भी कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया। विश्व भर में विभिन्न दूतावासों और भारतीय मिशनों ने भी अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया और योग की व्यापक पहुंच पर प्रकाश डाला। आयुष मंत्रालय के तत्वावधान में सीसीआरवाईएन को पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2024 में कॉमन योग प्रोटोकॉल का प्रदर्शन करने वाले सबसे अधिक स्वास्थ्य प्रोफेशनलों को शामिल करने के लिए एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स द्वारा मान्यता दी गई है।

योग दिवस पर राज्यभर में 25 लाख लोगों ने किया योगाभ्यास

जयपुर। आयुष विभाग द्वारा दसवां अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस योग स्वयं एवं समाज के लिए थीम पर पूरे प्रदेश में उत्साह एवं संकल्प के साथ 21 जून को आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में ग्राम पंचायत से लेकर राज्य स्तर तक सामान्य योग प्रोटोकॉल के अनुसार 25 लाख प्रतिभागीयों द्वारा पूरे राज्य में योगाभ्यास किया। योग दिवस का राज्य स्तरीय कार्यक्रम सवाई मानसिंह स्टेडियम, जयपुर में राज्यपाल कलराज मिश्र, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, उप मुख्यमंत्री एवं आयुष मंत्री प्रेमचन्द बैरवा के गरिमामय सानिध्य में सपंन्न हुआ। आयुर्वेद विभाग के निदेशक डॉ. आनंद कुमार शर्मा राज्य स्तरीय कार्यक्रम का शुभारम्भ प्रातः 06.30 बजे योग प्रोटोकॉल के अनुसार बालकृष्ण बैराठी एव मेघ सिंह चौहान के निर्देशन में एक साथ 9220 प्रतिभागीयों ने सामूहिक योगाभ्यास किया। राज्यपाल महोदय द्वारा संकल्प पत्र का वाचन किया गया। शांति पाठ से कार्यक्रम का समापन हुआ। इस कार्यक्रम में राज्य सरकार के कई मंत्रीगण, सासंद, विधायक, जनप्रतिनिधि, मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक सहित अनेक प्रशासनिक, पुलिस एवम वन सेवा के वरिष्ठ अधिकारीगण स्वंयसेवी संस्थाओं के पदाधिकारी एवम योग में रूचि रखने वाले अनेक संस्था के सदस्यों ने शामिल होकर योग की दैनिक जीवन में उपयोगिता एवम प्रासंगिकता के संबंध में एक सकारात्मक संदेश प्रसारित किया । जिला स्तर पर योग दिवस का आयोजन सभी जिला मुख्यालयों पर जिला प्रशासन के सहयोग से किया गया।

जिसमें प्रत्येक जिला स्तर पर आयोजित कार्यक्रम में मंत्रीगण, सासंद, विधायक, अन्य जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों तथा राजकीय/निजी संस्थाओ एवं आमजन ने शामिल होकर सामूहिक योगाभ्यास किया। जिला मुख्यालयों पर आयोजित कार्यक्रमों में 1 लाख 69 हजार 768 प्रतिभागियों ने शामिल होकर योगाभ्यास किया गया। ब्लॉक स्तर पर आयोजित योग दिवस के कार्यक्रम में 3,02,346 प्रतिभागियों ने तथा ग्राम पंचायत स्तर पर आयोजित कार्यक्रम में 10,40,265 प्रतिभागियों ने शामिल होकर योगाभ्यास किया । इसके अतिरिक्त स्थानीय प्रशासन, शिक्षा विभाग, महिला एवं बाल विकास, अराजकीय/निजी संस्थाओं/एनजीओ/संगठनों द्वारा अपने अपने स्तर पर आयोजित किये। योग दिवस कार्यक्रम में लगभग 9,64,389 प्रतिभागीयों ने योगाभ्यास किया। इस प्रकार दसवें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह राज्य में कुल 47,733 स्थानों पर आयोजित हुआ जिसमें कुल 24,85,988 (चौबीस लाख पिचासी हजार नौ सौ अठासी) प्रतिभागियों ने योग प्रोटोकॉल के अनुसार सामूहिक योगाभ्यास किया गया। अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर प्रदेश के राजकीय एवं निजी विद्यालयों में 36 लाख से अधिक विद्यार्थी, अभिभावक, शिक्षक एवं आमजन ने योगाभ्यास में भाग लिया। शाला दर्पण पोर्टल पर उपलब्ध सूचना के अनुसार 73 हजार विद्यालयों में 22 लाख 29 हजार विद्यार्थी, 4 लाख 24 हजार कार्मिक तथा 9 लाख 81 हजार अतिथियों ने भाग लिया।

योग दिवस पर राज्यपाल मुख्य समारोह में सम्मिलित हुए

जयपुर। राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर 21 जून को सवाई मानसिंह स्टेडियम में आयोजित राज्य स्तरीय योग समारोह में सम्मिलित हुए। जहां मिश्र ने उपस्थित जनों को योग स्वयं के लिए और समाज के लिए का संकल्प दिलाया। संकल्प में उन्होंने सभी के सुखी होने, सभी के निरोग रहने और राष्ट्र और समाज के लिए मिलकर कार्य करने का आह्वान किया। इससे पहले उन्होंने सामूहिक समारोह में सभी के साथ योग आसन और प्राणायाम क्रियाएं भी की। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर राज्य के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने सबके साथ योग करते हुए स्वस्थ जीवन का संदेश दिया। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने भी सबके साथ सामूहिक योग और प्राणायाम किया। राज्य स्तरीय समारोह में उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा सहित अन्य मंत्रियों और विधायकों, जन प्रतिनिधियों, मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित विभिन्न विभागों के उच्चाधिकारियों, गणमान्य जनों और आम जन ने योग, प्राणायाम आदि के आसन किए। आरंभ में राज्यपाल मिश्र के समारोह स्थल पहुंचने पर मुख्यमंत्री शर्मा और विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने उनका पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया।

भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप जीता

कोहली का बल्ला चला, हार्दिक-बुमराह ने साउथ अफ्रीका से जीत छीनी

बारबाडोस। टीम इंडिया ने 13 साल के लम्बे इंतजार के बाद टी-20 वर्ल्ड कप जीत लिया। बेहद रोमांचक मुकाबले में टीम इंडिया के साउथ अफ्रीका को हाराकर यह खिताब हासिल किया। पूरे वर्ल्ड कप जमकर बल्लेबाजी कर रहे रोहित फाइनल में नहीं चले, पर कोहली अड़ गए। 76 रन बनाए। अक्षर और शिवम ने भी पूरा जोर लगाया। 177 रन का टारगेट दिया। साउथ अफ्रीका बल्लेबाजी के लिए उतरी। 14 ओवर तक तक उनके बल्लेबाज तेजी से जीत की तरफ बढ़ रहे थे। इसके बाद जसप्रीत बुमराह, हार्दिक पंड्या गेंदबाजी के लिए लौटे और इंडिया की मैच में वापसी हुई। सूर्यकुमार यादव रन नहीं बना पाए थे, लेकिन एक कैच से मैच पलट दिया। आखिरी ओवर तक इंडिया लड़ती रही और जीत छीन ली। 177 रन चेज कर रही साउथ अफ्रीका को 169 पर रोक दिया। 7 रन से हरा दिया। 32 साल से चोकर्स कही जा रही साउथ अफ्रीका इस बार भी दाग लेकर ही लौटी।

संपादकीय

राजनीति के फलक पर छाने वाले ओम बिरला का जीवन

राजस्थान के कोटा जिले में 23 नवंबर,1962 को जन्में ओम बिरला का समूचा राजनीतिक और सावर्जनिक जीवन सेवा, समर्पण और उससे उपजी सफलताओं से बना है। भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष के रूप में काम प्रारंभ कर वे राजस्थान में युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बने। ओम बिरला में ऐसा क्या है जो उन्हें लगातार दूसरी बार लोकसभा के अध्यक्ष जैसी बड़ी जिम्मेदारी पर पहुंचाता है। अपने कोटा शहर में जरूरतमंद लोगों को कपड़े, दवाएं, भोजन पहुंचाते-पहुंचाते बिरला कब राष्ट्रीय राजनीति के सितारे बन गए, यह एक अद्भुत कहानी है। प्रधानमंत्री ने सदन में उनके द्वारा चलाए जा रहे अनेक सामाजिक कार्यों की चर्चा की। उनकी सरलता,सहजता और सदन चलाने की उनकी क्षमताएं प्रमाणित हैं। अब जब वे ध्वनिमत से लोकसभा के अध्यक्ष चुने जा चुके हैं, तब उन पर बहुत बड़ी जिम्मेदारी आन पड़ी है। यह भी शुभ रहा कि कांग्रेस ने प्रारंभिक चर्चाओं के बाद भी मत विभाजन की मांग नहीं की और उनका चयन सर्वसम्मत से हुआ। इससे संसद की गरिमा बनी और परंपराओं का पालन हुआ है। उम्मीद की जानी चाहिए आने वाले समय में लोकसभा ज्यादा बेहतर तरीके से अपने कामों को अंजाम दे सकेगी। बलराम जाखड़ के बाद वे दूसरे ऐसे सांसद हैं, जिन्होंने यह गरिमामय पद दुबारा संभाला है। इस बात को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में कहा कि नए सांसदों को बिरला से सीखना चाहिए। मोदी ने कहा कि संसद 140 करोड़ देशवासियों की आशा का केंद्र है। सदन में आचरण और नियमों का पालन जरूरी है। सदन की गरिमा और परंपराओं का पालन अध्यक्ष की बहुत महती जिम्मेदारी है। उम्मीद की जानी चाहिए कि संसद में लोकसभा अध्यक्ष के रूप में बिरला जी का यह कार्यकाल उदाहरण बनेगा। जहां गंभीर बहसें होंगी और शासकीय काम के साथ विमर्शों का नया आकाश खुलेगा। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। वे 2003, 2008 और 2013 में तीन बार राजस्थान विधानसभा में विधायक निर्वाचित किए गए। 2014 से वे लगातार तीसरी बार लोकसभा पहुंचे हैं। इस तरह वे एक सफल जनप्रतिनिधि के रूप में कोटा के लोगों का दिल जीतते रहे हैं। 17 वीं लोकसभा में अध्यक्ष चुने जाते ही वे राष्ट्रीय फलक पर छा गए।

सोलहवीं विधान सभा का द्वितीय सत्र 3 जुलाई से- सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

जयपुर। सोलहवीं राजस्थान विधान सभा का द्वितीय सत्र 3 जुलाई से आरंभ होगा। विधान सभा सचिवालय ने सत्र के संबंध में सभी आवश्यक व्यवस्थाओं का प्रबंध कर लिया है। सत्र के दौरान विधानसभा की सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए हैं। अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सत्र से संबंधित की जाने वाली व्यवस्थाओं की समीक्षा की। विधान सभा सत्र के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा किए जाने वाले कार्यों के लिए विभागीय अधिकारियों के साथ प्रमुख सचिव श्री महावीर प्रसाद शर्मा ने चर्चा की। विभिन्न विभागों के अधिकारियों द्वारा कार्यों की प्रगति रिपोर्ट विधान सभा को प्रस्तुत की जा रही है।

फोटो युक्त प्रवेश पत्र ही मान्य

विधान सभा सत्र के दौरान फोटो युक्त प्रवेश पत्र ही मान्य होगा। फोटोयुक्त क्यूआर कोड प्रवेश पत्र से ही अधिकारी एवं कर्मचारी विधान सभा में प्रवेश कर सकेंगे। क्यूआर कोड के स्कैन करने पर ही फ्लैग बैरियर खुलेगा। जिससे आगंतुक विधान सभा में प्रवेश कर सकेंगे। विधान सभा भवन से बाहर जाने के लिए यही प्रक्रिया अपनानी होगी। विधान सभा सदन में मोबाइल फोन का उपयोग नहीं किया जा सकेगा। मोबाइल फोन के उपयोग को सदन में निषेध किया गया है।

वाहनों की पार्किंग

विधान सभा भवन परिसर में वही वाहन प्रवेश कर सकेंगे, जिन पर द्वितीय सत्र का सत्रकालीन वाहन प्रवेश पत्र लगा होगा। अधिकारी व कर्मचारियों के वाहनों का आवागमन गेट नंबर 1 उत्तर पूर्वी द्वारा से होगा और पार्किंग पूर्वी द्वार के भूतल पर की जा सकेगी। पत्रकारों के वाहनों का प्रवेश भी गेट नंबर 1 से होकर पूर्वी एवं दक्षिण कोने में बनाए गए स्थान पर पार्किंग की जायेगी।

प्रतिनिधि मण्डलों की व्यवस्था

सत्र के दौरान विधान सभा में मुख्यमंत्री व मंत्रीगण से मिलने आने वाले प्रतिनिधि मण्डलों के प्रवेश की व्यवस्था संबंधित से सहमति मिलने के पश्चात सम्पर्क अधिकारी द्वारा की जायेगी। वहीं मीडिया के छायाकार और कैमरामैनों का प्रवेश पश्चिमी द्वार के समीप निर्धारित स्थान तक होगा। अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के निर्देश पर छायाकारों और कैमरामैनों के लिए सत्र के दौरान विशेष व्यवस्था की गई है।

मुख्यमंत्री भजनलाल ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान का किया शुभारंभ

जयपुरन। राज्य में 23 जून को 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान का शुभारंभ हुआ। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी अभियान के अंतर्गत मुख्यमंत्री आवास पर अपनी माताजी गोमती देवी के साथ बेल का पौधा लगाया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि पेड़ हमारे परम मित्र हैं और हमारे जीवन के लिए अति आवश्यक है। वे हमें ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, मिट्टी के कटाव को रोकते हैं और पर्यावरण प्रदूषण को रोकने के साथ ही पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखते हैं। उन्होंने समस्त प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि वे ज्यादा से ज्यादा संख्या में वृक्षारोपण करें तथा पर्यावरण को स्वच्छ और हरा-भरा रखने में अपना योगदान दें। इसी क्रम में राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने 26 जून को प्रातः अपने राजकीय निवास पर अपनी मां स्वर्गीय सखी देवी के नाम पर अपनी तीन पीढ़ियों के साथ बीलपत्र का पौधा लगाया। देवनानी ने पौधा रोपने के बाद उसे सींचा और कहा कि इस पुनित कार्य से उन्हें आत्मिक संतोष प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि मां और प्रकृति निःस्वार्थ प्रेम के प्रतीक है। इस अवसर पर देवनानी की धर्मपत्नी इन्दिरा देवनानी, सुपुत्र महेश देवनानी पुत्रवधु अंशु देवनानी और सुपौत्री प्रशिता देवनानी मौजूद रहे।

उल्लेखनीय है कि गत 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान का शुभारंभ किया था। उन्होंने नई दिल्ली के बुद्ध जयंती पार्क में पीपल का पेड़ लगाते हुए देशवासियों से आग्रह किया था कि वे सभी अपनी माताजी के नाम पर कम से कम एक पेड़ अवश्य लगाएं।

ओम बिरला पुनः लोकसभाध्यक्ष चुने गए

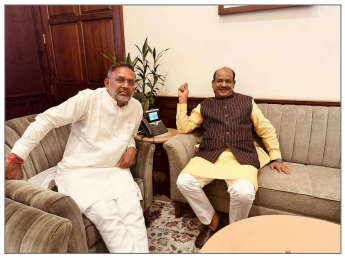

जयपुर। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने ओम बिरला को पुनः लोकसभा अध्यक्ष चुने जाने पर बधाई दी। नागर ने 26 जून को दिल्ली में बिरला से मुलाकात की और संसदीय लोकतन्त्र के इस श्रेष्ठ गरिमामय पद पर पुनः आसीन होने की बधाई दी। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि बिरला ने अपनी कुशलता और कर्मठता से 17वीं लोकसभा के अध्यक्ष के रूप में संसदीय परम्पराओं के निर्वहन की अमिट छाप छोड़ी है। उनकी विशिष्ट कार्यशैली, गहन अनुभव और ज्ञान को देखते हुए एक बार फिर सदन ने उन पर अपना विश्वास व्यक्त किया है। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि बिरला का 18वीं लोकसभा का अध्यक्ष चुना जाना हम सभी प्रदेशवासियों के लिए गर्व की अनुभूति का क्षण है। नागर ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से भी मुलाकात की और उन्हें बधाई दी।

मुख्यमंत्री भजनलाल ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की पूछी कुशलक्षेम

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 24 जून को पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के सिविल लाइंस स्थित राजकीय आवास पर जाकर उनकी कुशलक्षेम पूछी। शर्मा ने गहलोत से उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली और ईश्वर से उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने जन सम्पर्क कार्मिकों को प्रशस्ति पत्र दिए

जयपुर। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने लोकसभा आम चुनाव 2024 के दौरान मीडिया और जन सम्पर्क से सम्बंधित कार्य-दायित्व निर्वहन के लिए 28 जून को राज्य सरकार के सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग के अधिकारियों और कार्मिकों की सराहना की। गुप्ता ने कहा कि चुनाव के दौरान विज्ञापन अधिप्रमाणन, समाचार मॉनिटरिंग, फेक न्यूज, पेड न्यूज और चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन की निगरानी जैसी गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाई और सजग रहकर कार्य किया। उन्होंने जन सम्पर्क कर्मियों को प्रशस्ति-पत्र भी वितरित किए। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने जन सम्पर्क विभाग के आयुक्त सुनील शर्मा का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान उनके विभाग के अधिकारियों और कार्मिकों ने एक टीम के रूप में बेहतरीन कार्य किया। उन्होंने प्रशस्ति-पत्र पाने वाले अधिकारियों-कार्मिकों को भविष्य में और अधिक मेहनत से कार्य-दायित्व का निर्वहन करने का आग्रह किया। श्री गुप्ता ने आयुक्त श्री शर्मा के साथ-साथ विभाग की अतिरिक्त निदेशक अलका सक्सेना, उप निदेशक क्षिप्रा भटनागर, सहायक निदेशक तरुण जैन, जन सम्पर्क अधिकारी बनवारी लाल यादव सहित

अन्य जन सम्पर्क अधिकारियों, सहायक जन सम्पर्क अधिकारियों, छायाकारों, यंग इंटर्न, सुजस बुलेटिन में कार्यरत कार्मिकों को प्रशस्ति-पत्र दिए। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने आकाशवाणी केंद्र जयपुर के निदेशक समाचार नीलेश कालभोर को भी लोकसभा चुनाव से सम्बंधित समाचारों और आवश्यक सूचनाओं को आमजन तक पहुँचाने में आकाशवाणी की भूमिका के लिए धन्यवाद दिया और उन्हें भी प्रशस्ति-पत्र दिया।

गुप्ता ने निर्वाचन विभाग में विभिन्न प्रशिक्षण गतिविधियों के लिए प्रशिक्षण शाखा से जुड़े मास्टर ट्रेनर मनीष माथुर, मनीष गोयल, सुधीर जैन और संजय तिवारी को भी प्रशस्ति-पत्र दिए। इस अवसर पर निर्वाचन विभाग की मीडिया सह-प्रभारी एवं विशेषाधिकारी डॉ. रेणु पूनिया ने सभी का विशेष आभार व्यक्त किया।

राजस्थान में जल संरक्षण की राह दिखाती 'जल सहेलियाँ'

भारत के पश्चिमोत्तर प्रदेश राजस्थान के रेगिस्तानी इलाकों में 'जल सहेलियाँ' पारम्परिक, स्थानीय जल स्रोतों को बहाल करने के प्रयासों में लगी हैं। यूनीसेफ इस काम में ज्ञान प्रबंधन के लिए उनका साथ दे रहा है। राजस्थान में, रंग-बिरंगे कपड़ों से सजी महिलाओं का एक समूह, खेजरी के पेड़ की छाँव में बैठकर, जल और उसकी महत्ता पर, अपने विचार रखती हैं। उनके रंग-बिरंगे कपड़े, फलौदी जिले के बाप ब्लॉक में स्थित उनके गाँव की नदी को पुनर्बहाल व संरक्षित करने के उनके दृढ़ संकल्प का प्रतीक हैं। 40 वर्ष की लीला खाटू के नेतृत्व में, इस समूह का मिशन है, पारम्परिक रूप से 'नदी' या 'तालाब' के नाम से जाने जाने वाले उस जलाशय को बहाल करने का, जो कभी उनके गाँव के लिए जीवनदायक होता था। पिछले तीन दशकों में फलौदी गाँव के सूखे ग्रामीण इलाके में, गाँववालों ने वर्षा के रुझान में बदलाव आते देखा है।

किसी जमाने में पहले से ही अनुमान लगने योग्य, समानता से आने वाली वर्षा, अब बहुत अनियमित हो गई है, जिससे बहुत से गाँव सूखे की चपेट में आ गए हैं तो कई अन्य तीव्र वर्षा से परेशान हैं। यह बदलाव, जलवायु परिवर्तन की देन है, जिससे उनकी आजीविकाओं व प्रकृति से उनके सम्बन्धों पर गहरा असर पड़ा है। देश के कई अन्य हिस्सों की ही तरह, फलौदी में मानसून से पहले होने वाली बूंदा-बांदी कम होती जा रही है, लेकिन मानसून की बारिश बहुत बढ़ गई है, जिससे पूरे साल यह जलाशय पानी से भरा रहने लगा है।

तालाब की सफाई का बीड़ा

जल सहेली, लीला खाटू बताती हैं, यह जलाशय, गाँव वालों की जीवनरेखा है, खासतौर पर गर्मी, सूखे और कम बारिश के समय में। हमने इस तालाब को साफ करने का बीड़ा उठाया, और उसके लिए शारीरिक श्रम व निष्कर्षण उपकरणों का इस्तेमाल किया। इस तालाब की पुनर्बहाली से, न केवल भूमि बहाल हुई है, बल्कि इससे गाँव वालों के बीच सूखा-निरोधी प्रथाओं की समझ भी बढ़ी है। ये 'जल सहेली' जल स्रोतों को बहाल करने पर ही नहीं थमतीं. वो अपने साथी गाँववालों को, अपना साझा लक्ष्य हासिल करने के लिए एकजुट भी करती हैं, अर्थात् घरेलू जल सुरक्षा की प्राप्ति। इसके अलावा वो जल संरक्षण की पैरोकार भी बन गई हैं, और अपने समुदाय को इस अमूल्य संसाधन को संरक्षित करने की अहमियत के बारे में जागरूक करती हैं।

उनके ये प्रयास बेकार नहीं गए। पुनर्बहाल किए गए तालाब ने गाँव को एक नया जीवन दिया है और उनके घरों के लिए अविरल पानी की आपूर्ति सुनिश्चित की है। उनके अथक प्रयासों के कारण उन्हें एक और उपाधि दी गई है - 'जल योद्धा' की। इन गाँव वालों के लिए मौसम के रुझान में बदलाव आँकड़े मात्र नहीं, बल्कि एक ऐसी सच्चाई है, जो जलवायु कार्रवाई की तात्कालिक आवश्यकता को रेखांकित करती है। एक समय भरोसे का पात्र रही वर्षा, आज एकदम अप्रत्याशित हो गई है, जिससे उनके जीवन पर अकल्पनीय प्रभाव पड़ा है। जलवायु परिवर्तन की दर्दनाक सच्चाई के बीच, गाँव वालों ने अपने पारम्परिक ज्ञान का सहारा लिया। उन्होंने अपने पारम्परिक जल संचयन प्रणालियों को बहाल किया, जो इस परिवर्तनशील समय में सबसे भरोसेमंद विकल्प हैं। जैसे-जैसे तापमान बढ़ रहा है और भूजल के स्तर में उतार-चढ़ाव नजर आ रहा है, सूखे का जोखिम मुँह बाँए खड़ा नजर आता है, लेकिन ये गाँव वाले निश्चिंत हैं। जल सहेलियों ने पारम्परिक जल संसाधनों की अहमियत को पहचानते हुए और फलौदी में वर्षा में बढ़ोत्तरी का फायदा उठाते हुए, 2021 में 'उन्नति' नामक गैर-सरकारी संस्था की मदद से, स्थानीय तालाब को बहाल किया था।

गाँववालों ने भी एकजुट होकर, धन इकट्ठा किया और दशकों पुराने इस तालाब को बहाल करने में मदद की। जलाशय की पुनर्बहाली के लिए सरपंच और गाँववालों ने मिलाकर 15 लाख रुपए की धनराशि एकत्र की और उसके रख-रखाव के लिए मार्गदर्शिका तैयार की। भारत में यूनीसेफ के विशेषज्ञ रुषभ हेमानी कहते हैं, राजस्थान का यह समुदाय, जल सुरक्षा के लिए पारम्परिक जल स्रोतों के संरक्षण में अग्रणी भूमिका निभा रहा है. इसमें खासतौर पर महिलाओं ने अहम योगदान दिया है। भारत सरकार के 'जल जीवन मिशन' के तहत, भारत में यूनीसेफ ने पारम्परिक जल स्रोतों की

पुनर्बहाली में सरकार को पूरा समर्थन दिया है। 'उन्नति' के नेतृत्व में चल रही इस परियोजना में, यूनीसेफ ज्ञान प्रबंधन मुहैया करवा रहा है, और साथ ही महिलाओं को सफलतापूर्वक एकजुट करने में लगा है, जो अपने समुदाय को पारम्परिक जल स्रोतों की महत्ता के बारे में जागरूक करने के कार्य में सक्रिय हैं।

सूखा-प्रभावित क्षेत्र में हर एक संवेदनशील बच्चे के लिए जल सुरक्षा का निर्माण कर, जल सहेलियाँ अपनी बच्चों व परिवारों का भविष्य संवारने के लिए सशक्त दृढ़ता से प्रयासों में लगी हैं। उनकी कहानी, सामुदायिक कार्रवाई की ताकत का सबूत है कि जब कुछ दृढ़ संकल्पित लोगों का समूह साझा लक्ष्यों को हासिल करने का फैसला करता है, तो अभूतपूर्व बदलाव सामने आते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर खादी के बने योग परिधानों और मैट की बंपर बिक्री

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में लाखों खादी के कारीगरों के लिए विशेष प्रसन्नता लेकर आया। 21 जून को मनाए गए अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने देश भर में 55 खादी संस्थाओं के माध्यम से विभिन्न सरकारी विभागों को 8,67,87,380 रुपये मूल्य के 1,09,022 योग-मैट और 63,700 योग परिधानों की बिक्री की। 26 जून को आंकड़े जारी करते हुए केवीआईसी के अध्यक्ष मनोज कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ब्रांड पावर ने योग के साथ-साथ खादी की भारतीय विरासत को भी लोकप्रिय बना दिया है। खादी परिवार के लिए यह खुशी की बात है कि इस बार हमारे खादी कारीगरों द्वारा बनाए गए विशेष योग परिधानों और चटाईयों की रिकॉर्ड बिक्री हुई है। उन्होंने आगे कहा कि इस बार योग दिवस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने श्रीनगर में और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने अहमदाबाद में खादी के योग परिधान पहनकर योग किया। यह खादी कारीगरों के लिए गर्व की बात है।

केवीआईसी के अध्यक्ष मनोज कुमार ने आगे कहा कि खादी से बने योग परिधान और मैट स्वास्थ्य के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण के लिए भी बहुत लाभप्रद हैं, क्योंकि ये बिना किसी रसायन के और न्यूनतम पानी के इस्तेमाल से बनते हैं। उन्होंने आगे कहा कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के विशेष अवसर पर खादी के योग परिधान और मैट की बिक्री इस बात का प्रतीक है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार अपनी विरासत खादी के संरक्षण के साथ-साथ पर्यावरण की रक्षा के लिए भी कृतसंकल्प है। इससे वोकल फॉर लोकल और आत्मनिर्भर भारत अभियान को भी नई शक्ति मिलती है। जारी आंकड़ों के मुताबिक, इस बार केवीआईसी ने आयुष मंत्रालय की मांग पर खास खादी के योग कुर्ते (टी-शर्ट स्टाइल में) तैयार किए। इन्हें खास तौर पर युवाओं को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया। योग दिवस के मौके पर दिल्ली के कनॉट प्लेस स्थित केवीआईसी के खादी भवन ने अकेले आयुष मंत्रालय को 50 हजार योग-मैट और 50 हजार योग परिधानों की आपूर्ति की। इसमें 300 प्रीमियम क्वालिटी के योग-मैट भी शामिल थे। इसके साथ ही मंत्रालय की मांग के अनुसार श्रीनगर में 25 हजार खादी के बने योग-मैट और परिधान तथा श्रीनगर में 10 हजार मैट और योग परिधानों की आपूर्ति की गई। श्रीनगर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हजारों लोगों ने खादी के परिधान पहनकर योगाभ्यास में भाग लिया।

आयुष मंत्रालय के अलावा केवीआईसी ने मुख्य रूप से मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान जयपुर और पंचकूला, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन, ओएनजीसी और नाल्को को योगाभ्यास के लिए खादी से बने योग परिधानों और योग-मैट की आपूर्ति की। कुल 8,67,87,380 रुपये की आपूर्ति में खादी योग परिधानों की बिक्री 3,86,65,900 रुपये और मैट की बिक्री 4,81,21,480 रुपये रही। मांग के अनुसार केवीआईसी ने आपूर्ति के लिए देश भर की खादी संस्थाओं को पहले ही सूचित कर दिया था, जिसमें गुजरात, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, उत्तराखंड और दिल्ली की 55 संस्थाएं शामिल थीं। इससे खादी संस्थाओं से जुड़े कताई करने वालों, बुनकरों और खादी श्रमिकों को अतिरिक्त मजदूरी के साथ-साथ रोजगार के अतिरिक्त अवसर भी मिले।

ऐल्कॉहॉल और मादक पदार्थों के इस्तेमाल के कारण, हर वर्ष 30 लाख मौतें

विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक नई रिपोर्ट दर्शाती है कि हर वर्ष, शराब सेवन और नशीली दवाओं के इस्तेमाल के कारण दुनिया में करीब 30 लाख से अधिक मौतें होती है। इनमें से 26 लाख मौतें शराब के सेवन के कारण होती हैं, जो कुल मौतों का लगभग पाँच प्रतिशत है।

यूएन स्वास्थ्य एजेंसी के अनुसार, इनमें सबसे ज्यादा संख्या योरोपीय क्षेत्र और अफ्रीकी क्षेत्र में है। इनमें से अधिकाँश मौतें पुरुषों की हुई, और 20-39 आयु वर्ग सबसे अधिक प्रभावित है। निम्न आय वाले देशों में मृत्यु दर सबसे अधिक है जबकि उच्च आय वाले देशों में यह सबसे कम है। यूएन स्वास्थ्य एजेंसी के महानिदेशक डॉक्टर टैड्रॉस एडहेनॉम घेब्रेयेसस ने कहा कि मादक पदार्थों व तम्बाकू समेत अन्य नशीले पदार्थों का सेवन स्वास्थ्य को गम्भीर रूप से नुकसान पहुँचाता है, लम्बे समय तक प्रभावित करने वाली बीमारियों, मानसिक स्वास्थ्य स्थितियों का जोखिम भी बढ़ाता है। यह चिंता की बात है कि हर साल इतनी बड़ी संख्या में मौतें होती हैं, जिन्हें रोका जा सकता है। उन्होंने कहा, इससे परिवारों और समुदायों पर भारी बोझ पड़ता है, और दुर्घटनाओं, चोटों और हिंसा का शिकार होने का जोखिम बढ़ जाता है। रिपोर्ट बताती है कि दुनिया भर में लगभग 40 करोड़ लोग शराब और नशीली दवाओं के सेवन के कारण होने वाले विकारों से पीड़ित हैं। इनमें से आधे से ज्यादा लोग शराब पर निर्भर हैं। स्वास्थ्य सम्बन्धी चिन्ताओं के मद्देनजर, रिपोर्ट में शराब और नशीली दवाओं की खपत को कम करने और मादक द्रव्यों के सेवन से उपजे विकारों के लिए उपचार मुहैया कराने पर बल दिया गया है। मौजूदा स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के जरिये सतत विकास लक्ष्य हासिल करने की दिशा में वैश्विक कार्रवाई में तेजी लाने का आग्रह किया गया है।

शराब की खपत

शराब का सेवन करने वाले लोग औसतन एक दिन में अपने लिए दो बार शराब परोसते हैं, जबकि यह मात्रा कई स्वास्थ्य स्थितियों और सम्बन्धित मृत्यु दर का जोखिम बढ़ा सकती है।

वहीं, 38 प्रतिशत शराब पीने वालों ने पिछले महीने में एक या अधिक मौकों पर चार से पाँच बार शराब परोसी, जोकि भारी स्तर पर सेवन माना जाता है। दुनिया भर में, प्रति व्यक्ति शराब की खपत का उच्चतम स्तर, योरोपीय क्षेत्र में स्थित देशों और अमेरिका क्षेत्र के देशों में पाया गया है।

स्वास्थ्य सेवाओं में अन्तर

मादक पदार्थ के इस्तेमाल से होने वाले विकारों के लिए उपचार कवरेज अविश्वसनीय रूप से कम है। अध्ययन के लिए डेटा प्रदान करने वाले देशों में मादक द्रव्यों के सेवन सम्बन्धी उपचार सेवा पाने वाले लोगों का अनुपात करीब एक प्रतिशत से से लेकर 35 प्रतिशत तक है। यह डेटा मुहैया कराने वाले 145 देशों में से अधिकांश के पास मादक पदार्थों के सेवन से जुड़े विकारों के उपचार के लिए सरकारी व्यय पर डेटा या कोई बजट नहीं है। इसके मद्देनजर, यूएन स्वास्थ्य एजेंसी ने सतत विकास लक्ष्यों को हासिल करने के लिए देशों की सरकारों और साझेदार संगठनों से अहम रणनैतिक क्षेत्रों में कार्रवाई की पुकार लगाई है। इनमें वैश्विक स्तर पर जागरूकता मुहिम संचालित करना, स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों की क्षमता को मजबूती देना, स्वास्थ्यकर्मियों को प्रशिक्षित करना और संसाधनों की लामबन्दी में तेजी लाना अहम है।

शिक्षा मंत्री ने की जनसुनवाई, 174 प्रकरण आए

जनसुनवाई में प्राप्त होने वाले परिवादों का समय पर निस्तारण करें:शिक्षा मंत्री

जयपुर(नि.सं.)। शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने शुक्रवार को कोटा जिले के स्वामी विवेकानंद नगर स्थित मां भारती विद्यालय में समस्या समाधान शिविर के अंतर्गत जनसुनवाई की जिसमें 174 प्रकरण प्राप्त हुए। शिक्षा मंत्री ने एक-एक परिवादी की बात बड़ी ही तल्लीनता से सुनी और सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि आमजन से प्राप्त शिकायतों का संवेदनशीलता से समय पर निस्तारण करें। जनसुनवाई स्थल पर ही सभी विभागों के स्टॉल लगाकर शिकायतों का पंजीयन किया गया। शिक्षा मंत्री ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि आगामी माह

में की जाने वाली जनसुनवाई में सभी विभाग अपने-अपने विभागों की योजनाओं, उनकी पात्रता एवं किस प्रकार से आवेदन किया जाए इसकी जानकारी पर आधारित फ्लेक्स एवं पंपलेट का भी वितरण करना सुनिश्चित करें जिससे पात्र नागरिक सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ ले सकें। शिक्षा मंत्री ने कोटा विकास प्राधिकरण की उप सचिव को निर्देश दिए कि घुमंतू एवं बीपीएल परिवार के नागरिक जिनके पक्के घर या छत नहीं है उनका तीन माह में सर्वे कर विभिन्न योजनाओं में पुनर्वासित किया जाए। उन्होंने कोटा विकास प्राधिकरण एवं नगर निगम के खाली पड़े भूखंडों में कचरा एवं गंदा पानी भर जाने की शिकायत प्राप्त होने पर अधिकारियों को तीन दिवस में सफाई करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में खाद्य विभाग, पीएचईडी, जेवीवीएनएल केडीईएल, रोडवेज, चिकित्सा स्वास्थ्य, जिला उद्योग केंद्र सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, प्रतिनिधि एवं आमजन उपस्थित थे।

iTVoice®

all things tech.

India's Premier IT Magazine & First Daily Tech News OTT

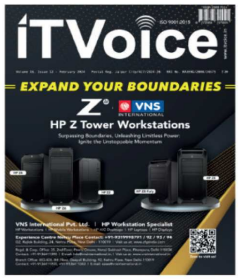

Magazines & Newspapers

Highest Digital Presence

www.itvoice.in

Daily Tech News & Podcasts

Contact for Print & Digital Marketing

+91 141 4014911

info@itvoice.in

ICPL

www.icpljpr.com

Professional IT Support

Domain & Hosting
Web Development
Customized Software Solution
Web Operation
Client / Server Management
Network Maintenance
Service Desk Support
Customized IT Support Services
Dealing in all Major Brands

Informatic Computech Private Limited

Jaipur - Rajasthan (Ph.) +91-141-2280510 md@icpljpr.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक तरूण कुमार टांक के लिये महारानी प्रिन्टर्स प्लाट नं. 17, माँ वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड, जयपुर से मुद्रित एवं 52/121, वीरतेजाजी रोड, मानसरोवर, जयपुर (राज.) से प्रकाशित। सम्पादक-तरूण कुमार टांक Email: mahanagarstambh@gmail.com